[This question paper contains 4 printed pages.]

(12) **Your Roll No.** 2023

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 3211

E

Unique Paper Code : 62107609

Name of the Paper : Philosophy of Religion

Name of the Course : **B.A. (Prog)- Philosophy**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt **any five** questions.

3. Answers may be written either in English or Hindi but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

3. इस प्रश्न के उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये; लेकिन सभी उत्तर एक ही माध्यम में होने चाहिए।

1. Discuss the meaning and scope of Philosophy of Religion.

   धर्म दर्शन के अर्थ एवं क्षेत्र की व्याख्या कीजिए ।

2. Elucidate the notion of 'Dharma' as given by Purva Mimansa.

   पूर्व मीमांसा द्वारा दी गई 'धर्म' की धारणा को स्पष्ट कीजिए ।

3. How does Mc Claskey respond to solutions proposed by the theists to the problem of physical and moral evil? Explain.

मैकक्लैस्की प्राकृतिक और नैतीक अशुभ की समस्या के लिए आस्तिकों द्वारा प्रस्तावित समाधानो का जवाब कैसे देता है? बतायें

4. Bring out the role of Reason & Revelation in religion.

धर्म के क्षेत्र में तर्क और दैवीये प्रकाशन का क्या स्थान है? परिक्षण कीजिए ।

5. Discuss briefly the philosophical problems that arise in connection with prayer.

प्रार्थना के विषय में उत्पन्न कुछ दार्शनिक समस्याओं की संक्षिप्त विवेचना कीजिए ।

6. Discuss the concept of liberation in Indian perspective.

भारतीय परिप्रेक्ष्य में मोक्ष की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

7. What is meant by religious pluralism? Explain.

धार्मिक बहुलवाद का क्या अभिप्राय है? स्पष्ट करें।

8. Discuss Clifford concept of 'Ethics of Belief'.

क्लिफर्ड के 'विश्वास की नैतिकता' की व्याख्या करें।

[This question paper contains 4 printed pages.]

(13)

Your Roll No. ...

Deshbandhu College, Kalkaji, New Delhi
2023
E
LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : **3362**

Unique Paper Code : 62107609

Name of the Paper : Philosophy of Religion

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Philosophy**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Attempt any **Five** questions.

3. **All** questions carry equal marks.

4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

4. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते है; लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

1. Examine the connection between religion and philosophy of religion.

धर्म और धर्म-दर्शन के मध्य सम्बन्ध की चर्चा कीजिए।

2. Explain the meaning of Dharma in terms of Purva Mimamsa.

पूर्व-मीमांसा के सन्दर्भ में धर्म की अवधारणा की विस्तार में चर्चा कीजिए।

3. How does 'evil' present a challenge for the theist, in McCloskey's view?

मेक्क्लोस्की के अनुसार, किसी आस्तिक के लिए 'अशुभ' कैसे एक समस्या है?

4. Is it ever, anywhere, or for anyone wrong to trust anything based on insufficient evidence? Discuss using Clifford's article 'Ethics of Belief as a springboard.

सर्वदा, सर्वत्र, और किसी के लिए, क्या अपर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर कोई विश्वास रखना गलत है ? क्लिफोर्ड के आलेख 'एथिक्स ऑफ बिलीफ' के सन्दर्भ में चर्चा कीजिए।

5. Explain the concept of reason, faith and revelation in light of religious knowledge.

धार्मिक ज्ञान के प्रकाश में बुद्धि, आस्था एवं दैवीय-प्रकाशना (दैवीय रहस्योद्घाटन) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

6. Critically assess the concept of prayer.

प्रार्थना की अवधारणा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

7. Provide an explanation of the concept of liberation in accordance with any two schools of Indian philosophical thought.

भारतीय दर्शन में किन्हीं दो दार्शनिक सम्प्रदायों के अनुसार मोक्ष की धारणा का विशद वर्णन कीजिए।

8. How tenable are the stances of exclusivism, inclusivism, and pluralism in light of the plurality of religious beliefs? Discuss.

धार्मिक बहुलता के सन्दर्भ में विशिष्टतावाद, समावेशवाद और बहुलतावाद कितने धारणीय हैं? चर्चा कीजिए।